लगान' के 25 साल पूरे होने के जश्न में मेलबर्न जाएंगे आमिर खान

भारत के बाहर भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े उत्सव इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न के 17वें संस्करण का आयोजन 13 से 23 अगस्त, 2026 तक किया जाएगा. फेस्टिवल की शुरुआत इस बार ऑस्कर-नामांकित फिल्म 'लगान' के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष कार्यक्रम से होगी, जिसमें अभिनेता एवं निर्माता आमिर खान शामिल होंगे. फेस्टिवल आयोजकों ने बताया कि विशेष कर्टेन रेज़र कार्यक्रम नौ जुलाई को मेलबर्न के प्रतिष्ठित एसीएमआई सिनेमा में आयोजित किया जाएगा. इस अवसर पर 'लगान' की विशेष स्क्रीनिंग होगी और इसके साथ ही इस वर्ष के फेस्टिवल का औपचारिक आगाज़ किया जाएगा.

वर्ष 2001 में प्रदर्शित 'लगान' सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा फिल्म श्रेणी में ऑस्कर के लिए नामांकित होने वाली भारत की दूसरी फिल्म थी. यह फिल्म आज भी भारतीय सिनेमा की सबसे यादगार फिल्मों में गिनी जाती है. विक्टोरिया सरकार के सहयोग से आयोजित होने वाला इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न पिछले वर्षों में भारतीय सिनेमा के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रतिष्ठित मंच बन चुका है. इसमें अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, ए.आर. रहमान, ऐश्वर्या राय बच्चन, रानी मुखर्जी, राम चरण, विजय सेतुपति, विक्की कौशल, विजय वर्मा और कीर्ति सुरेश सहित अनेक कलाकार तथा राजकुमार हिरानी, शूजीत सरकार, जोया अख्तर, कबीर खान और अन्य फिल्मकार भाग ले चुके हैं.

फेस्टिवल निदेशक मितु भौमिक लांगे ने कहा कि 'लगान' भारतीय सिनेमा की ऐतिहासिक उपलब्धि है और इसके 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाते हुए फेस्टिवल का शुभारंभ करना गर्व की बात है. उन्होंने कहा कि आमिर खान की उपस्थिति इस आयोजन को और भी विशेष बनाएगी. फेस्टिवल के दौरान फिल्मों की स्क्रीनिंग, प्रीमियर, मास्टरक्लास, विशेष चर्चाएं और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.

इक्का' में फिर चौंकाएंगी आकांक्षा रंजन

ग्राम चिकित्सालय सीज़न 2 में संवेदनशील डॉक्टर डॉ. गर्गी के किरदार से प्रशंसा बटोरने के बाद अभिनेत्री आकांक्षा रंजन अब लीगल थ्रिलर 'इक्का' में बिल्कुल अलग अंदाज़ में नजर आने के लिए तैयार हैं. अभिनेत्री आकांक्षा रंजन अपनी फिल्मों के चयन में लगातार विविधता दिखा रही हैं. 'ग्राम चिकित्सालय सीज़न 2' में गांव की डॉक्टर डॉ. गर्गी के संवेदनशील किरदार से सराहना बटोरने के बाद अब वह आगामी लीगल थ्रिलर 'इक्का' में बिल्कुल अलग अंदाज़ में नजर आएंगी.

'इक्का' के ट्रेलर में एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा की झलक दिखाई गई है, जिसमें एक चर्चित वकील को हत्या के आरोपी का मुकदमा लड़ते हुए दिखाया गया है. हालांकि फिल्म में आकांक्षा के किरदार का पूरा खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन ट्रेलर से संकेत मिलता है कि उनकी भूमिका कहानी में अहम होगी.

कियारा ने 'टॉक्सिक' वीडियो से मचाई धूम

दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेता यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' का नया वीडियो 'लेडीज़ एंड लेडीज़' जारी किया गया है, जिसमें फिल्म की दमदार महिला किरदारों की झलक देखने को मिली है.

जारी वीडियो में नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी प्रभावशाली अंदाज में नजर आ रही हैं. वीडियो फिल्म की रहस्यमयी और स्टाइलिश दुनिया का विस्तार करता है तथा शक्ति, रहस्य और विद्रोह की भावना को प्रमुखता से प्रस्तुत करता है. इसकी शुरुआत एक चेतावनी संदेश से होती है, जो फिल्म के बोल्ड और डार्क अंदाज की ओर संकेत देता है.फिल्म में प्रत्येक महिला किरदार की अपनी अलग पहचान और अहम भूमिका है, जो कहानी को नई दिशा देती है. वीडियो में एक प्रभावशाली महिला वॉइस-ओवर भी है, जो कहानी को महिला दृष्टिकोण से प्रस्तुत करता है.

गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी इस फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी प्रमुख भूमिकाओं में हैं. केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले निर्मित यह फिल्म कन्नड़ और अंग्रेजी में एक साथ शूट की गई है तथा इसे हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम में भी रिलीज किया जाएगा. टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स 26 अगस्त 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

टेलीविजन हलचल

हर परिवार को तुलसी जैसी शख्सियत की जरूरत : स्मृति

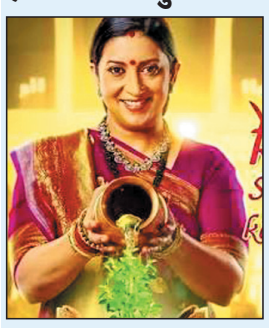

लोकप्रिय अभिनेत्री स्मृति ईरानी का मानना है कि बदलते समय और बदलते पारिवारिक रिश्तों के बीच आज भी हर परिवार को तुलसी जैसी शख्सियत की जरूरत है, जो रिश्तों को जोड़ने, परिवार को एकजुट रखने और हर संबंध को दूसरा मौका देने में विश्वास रखती हो।स्टार प्लस के लोकप्रिय धारावाहिक क्योंकि सास भी कभी बहू थी में 10 वर्ष के लीप के साथ कहानी नए दौर में प्रवेश कर रही है। स्मृति ईरानी ने कहा कि वर्षों बाद भी लोग तुलसी के किरदार में अपनी मां, दादी या नानी की झलक देखते हैं. हर परिवार को ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता होती है, जो लोगों को समझे, उनकी बात सुने और बिना किसी पूर्वाग्रह के उन्हें अपनाए .उन्होंने कहा कि नए अध्याय में तुलसी अपने परिवार में लौटती है, जहां रिश्ते पहले से अधिक उलझ चुके हैं और अपनों के बीच दूरियां बढ़ गई हैं. इसके बावजूद तुलसी का विश्वास कायम है कि हर रिश्ते को एक और अवसर मिलना चाहिए और हर परिवार फिर से एक हो सकता है. स्मृति ईरानी ने कहा कि नई पीढ़ी अपने साथ नई चुनौतियां लेकर आती है और उनका सामना समझदारी, साहस तथा एक-दूसरे को समझने की इच्छा से ही किया जा सकता है.

अनुपमा' ने महिलाओं के अधिकारों पर उठाए सवाल

स्टार प्लस के लोकप्रिय धारावाहिक अनुपमा के नए अपना घर ट्रैक में महिलाओं की पहचान, आत्मनिर्भरता और अपने घर के अधिकार जैसे सामाजिक मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया है .शो का नया ट्रैक इस सवाल पर केंद्रित है कि जिस महिला को घर की धुरी माना जाता है, क्या उसका अपना कोई घर होता है. कहानी उस पारंपरिक सोच को चुनौती देती है, जिसमें महिलाओं से परिवार के लिए घर बसाने की अपेक्षा की जाती है, लेकिन उन्हें अपना घर बनाने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाता. धारावाहिक में अनुपमा की भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री रूपाली गांगुली ने कहा कि यह कहानी उन लाखों महिलाओं की भावनाओं को सामने लाती है, जो कभी न कभी यह सवाल खुद से पूछती हैं कि उनका अपना घर कौन-सा है .उन्होंने कहा, हर महिला को वह आत्मविश्वास और सुरक्षा मिलनी चाहिए, जो एक ऐसे घर से आती है जिसे वह सच में अपना कह सके. यदि यह कहानी महिलाओं को अपने भविष्य, आर्थिक आजादी और सपनों के बारे में नए सिरे से सोचने के लिए प्रेरित करती है, तो यह मनोरंजन से आगे बढ़कर अपना उद्देश्य पूरा करेगी. रूपाली गांगुली ने कहा कि समाज महिलाओं से घर बसाने की उम्मीद करता है, लेकिन अब समय आ गया है कि उन्हें अपना घर बनाने का अधिकार और अवसर भी उतनी ही मजबूती से दिया जाए.

यशराज-पोशम पा संग आयुष्मान की मुपापा आएगी

यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) और पोशम पा पिक्चर्स के पहले थिएट्रिकल सहयोग से बनने वाली फिल्म 'मुपापा' में आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में नजर आएंगे. वाईआरएफ के सीईओ अक्षय विधानी इस फिल्म के निर्माता हैं. उनकी पिछली फिल्म 'सैयारा' भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली रोमांटिक फिल्म बनी थी. वहीं, इस फिल्म का निर्देशन भारत के प्रमुख शोरनर और निर्देशक समीर सक्सेना कर रहे हैं. वाईआरएफ के प्रवक्ता के अनुसार, 'मुपापा' 19 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी.

पोशम पा पिक्चर्स को भारतीय मनोरंजन जगत की सबसे दूरदर्शी और प्रयोगधर्मी प्रोडक्शन कंपनियों में गिना जाता है. वाईआरएफ और पोशम पा पिक्चर्स का उद्देश्य आज के दर्शकों के लिए नए और अनूठे सिनेमाई अनुभव प्रस्तुत करना है. दोनों संस्थाएं 'मुपापा' से अपने थिएट्रिकल सहयोग की शुरुआत कर रही हैं. यह साझेदारी आदित्य चोपड़ा के उस विज़न का हिस्सा है, जिसके तहत वाईआरएफ के सीईओ अक्षय विधानी स्टूडियो मॉडल को एक निर्माता के रूप में आगे बढ़ा रहे हैं. 'सैयारा' के बाद निर्माता के तौर पर यह अक्षय विधानी की दूसरी फिल्म होगी.

मुपापा' एक अलग शैली की थिएट्रिकल फिल्म है, जो दर्शकों को बड़े पर्दे पर बिल्कुल नया दृश्यात्मक अनुभव देने का वादा करती है. अपनी अलग तरह की फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले आयुष्मान खुराना इस परियोजना का नेतृत्व कर रहे हैं और यह फिल्म शुरुआत से अंत तक दर्शकों को रोमांच से बांधे रखने का दावा करती है.

जय हिंद जय सिंध का पहला पोस्टर हुआ जारी

भारत-पाकिस्तान विभाजन के दर्द, संघर्ष और भावनाओं को केंद्र में रखकर बनाई गई ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म 'जय हिंद जय सिंध' का पहला पोस्टर आधिकारिक तौर पर रिलीज़ कर दिया गया है. पोस्टर सामने आते ही फिल्म ने इतिहास और गंभीर विषयों पर आधारित सिनेमा पसंद करने वाले दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. पोस्टर में 1947 के विभाजन के दौर का माहौल दिखाई देता है, जहां बंटवारे की त्रासदी, विस्थापन और अपनों से बिछड़ने की पीड़ा को प्रतीकात्मक रूप से दर्शाया गया है.

फिल्म का निर्देशन इंद्रजीत लंकेश ने किया है, जो संवेदनशील विषयों को प्रभावशाली ढंग से पर्दे पर प्रस्तुत करने के लिए जाने जाते हैं. फिल्म में जया प्रदा, जरीना वहाब और महेश मांजरेकर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे. इनके अलावा विक्रम कोचर, उपासना सिंह, अमित बहल, छाया कदम और राहुल देव भी कहानी को मजबूती देने वाले महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं. जय हिंद जय सिंध' केवल विभाजन की ऐतिहासिक घटनाओं को दोहराने वाली फिल्म नहीं है, बल्कि यह उन लाखों लोगों की भावनाओं, संघर्ष और उम्मीदों की कहानी भी है, जिन्हें बंटवारे ने गहरे जख्म दिए. फिल्म में प्रेम, परिवार, देशभक्ति और अपनी पहचान को बचाए रखने के संघर्ष जैसे कई भावनात्मक पहलुओं को भी प्रमुखता से दिखाया जाएगा.

जी2' का नया शेड्यूल जुलाई में होगा शुरू

अभिनेता अड़ीवी सेश अपनी बहुप्रतीक्षित स्पाई एक्शन थ्रिलर 'जी 2' के अगले शूटिंग शेड्यूल के लिए तैयार हैं. फिल्म की अगली शूटिंग जुलाई में शुरू होगी, जिसमें वामिका गब्बी और इमरान हाशमी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे.

अड़ीवी सेश ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा, तूफ़ान से पहले की शांति... जुलाई में जी 2 की शूटिंग से पहले. उनके इस पोस्ट के बाद फिल्म के अगले चरण को लेकर प्रशंसकों की उत्सुकता और बढ़ गई है. फिल्म गुड़ाचारी की सफल फ्रेंचाइज़ी की अगली कड़ी 'जी 2' को लेकर दर्शकों में पहले से ही काफी उत्साह है. फिल्म में पहले के मुकाबले बड़े स्तर की कहानी और अधिक रोमांचक स्पाई मिशन देखने को मिलेगा. अड़ीवी सेश ने कहा, 'हमने इस फिल्म को काफी मेहनत और सोच-समझकर तैयार किया है. जुलाई में शुरू होने वाले शेड्यूल में फिल्म के कुछ सबसे महत्वपूर्ण हिस्सों की शूटिंग होगी. गुड़ाचारी को दर्शकों से मिले प्यार ने हमें हर बार बेहतर करने की प्रेरणा दी है.

साइंस एंड टेक्नोलॉजी

यूज़रनेम फीचर से बदलेगा व्हाट्सऐप चैट का अनुभव

दुनिया भर में तीन अरब से अधिक सक्रिय यूज़र्स वाले व्हाट्सऐप ने अपनी सेवाओं में एक बड़ा बदलाव करते हुए यूज़रनेम फीचर की घोषणा की है. इस नई सुविधा के तहत अब यूज़र्स बिना अपना मोबाइल नंबर साझा किए भी एक-दूसरे से संपर्क कर सकेंगे. यह बदलाव प्लेटफॉर्म पर प्राइवेसी और सुरक्षा को मजबूत बनाने की दिशा में कंपनी का अहम कदम माना जा रहा है.

अब तक व्हाट्सऐप पर किसी व्यक्ति से जुड़ने के लिए उसका मोबाइल नंबर होना जरूरी था. लेकिन नए यूज़रनेम फीचर के आने के बाद हर यूज़र अपने अकाउंट के लिए एक यूनिक यूज़रनेम चुन सकेगा. इसके जरिए दूसरे लोग उसी यूज़रनेम की मदद से उन्हें खोज सकेंगे और बातचीत शुरू कर सकेंगे, जबकि उनका निजी फोन नंबर सुरक्षित रहेगा. मेटा प्लेटफॉर्म्स के स्वामित्व वाले व्हाट्सऐप ने जानकारी दी है कि सोमवार से यूज़र्स अपना पसंदीदा यूनिक यूज़रनेम रिज़र्व कर सकेंगे. कंपनी की योजना इस सुविधा को चरणबद्ध तरीके से सभी यूज़र्स तक पहुंचाने की है और उम्मीद है कि साल के अंत तक यह फीचर व्यापक रूप से उपलब्ध होगा. व्हाट्सऐप की हेड ऑफ प्रोडक्ट एलिस न्यूटन-रेक्स के मुताबिक, यह फीचर लोगों को इस बात पर अधिक नियंत्रण देगा कि उनका मोबाइल नंबर कौन देख सकता है. खासकर तब, जब वे पहली बार किसी नए व्यक्ति से संपर्क कर रहे हों, किसी कम्युनिटी या ग्रुप चैट में शामिल हो रहे हों या सार्वजनिक बातचीत का हिस्सा बन रहे हों.

बढ़ते साइबर खतरों और ऑनलाइन प्राइवेसी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच यह बदलाव यूज़र्स को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करेगा. यह फीचर व्हाट्सऐप के उपयोग के तरीके में बड़ा बदलाव ला सकता है. इससे न केवल व्यक्तिगत प्राइवेसी मजबूत होगी, बल्कि प्रोफेशनल नेटवर्किंग, ऑनलाइन कम्युनिटी और सार्वजनिक संवाद के दौरान भी लोगों को अपना मोबाइल नंबर साझा करने की आवश्यकता काफी हद तक समाप्त हो जाएगी.

वॉयेजर-1 ने बदल दी सौरमंडल देखने की सोच

50 साल बाद भी अंतरिक्ष से भेज रहा संदेश

अंतरिक्ष अनुसंधान के इतिहास में वॉयेजर-1 का नाम सबसे सफल और लंबे समय तक सक्रिय रहने वाले मिशनों में शामिल है. नासा ने इसे उसके जुड़वां प्रोब वॉयेजर-2 के साथ वर्ष 1977 में लॉन्च किया था. दोनों मिशनों का मूल उद्देश्य बृहस्पति, शनि और बाहरी ग्रहों का अध्ययन करना था और इन्हें लगभग पांच वर्षों तक काम करने के लिए डिजाइन किया गया था. लेकिन इन प्रोब्स ने वैज्ञानिकों की उम्मीदों से कहीं अधिक प्रदर्शन किया और आज लगभग 50 वर्ष बाद भी अंतरिक्ष से लगातार महत्वपूर्ण जानकारियां भेज रहे हैं.

इस वर्ष नवंबर में वॉयेजर-1 पृथ्वी से एक लाइट-डे की दूरी पर पहुंच जाएगा. इसका अर्थ है कि इसकी ओर से भेजे गए रेडियो सिग्नल को पृथ्वी तक पहुंचने में लगभग एक दिन का समय लगेगा. यह दूरी करीब 26 अरब किलोमीटर है, जो इसे मानव द्वारा निर्मित अब तक की सबसे दूर पहुंची वस्तु बनाती है. वॉयेजर-1 ने अपने सफर के दौरान बृहस्पति और शनि के बारे में कई महत्वपूर्ण खोजें कीं. इसके बाद यह सौर मंडल की बाहरी सीमा पार कर अंतरतारकीय अंतरिक्ष में प्रवेश करने वाला पहला मानव-निर्मित यान बना. इसके उपकरण आज भी वहां के कणों, चुंबकीय क्षेत्र और विकिरण से जुड़ी जानकारियां पृथ्वी तक भेज रहे हैं, जिससे वैज्ञानिक हमारे सौर मंडल और उसके बाहर के अंतरिक्ष को बेहतर ढंग से समझ पा रहे हैं. इस मिशन की सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि यह आज भी ऐसी तकनीक पर आधारित है, जिसे आधुनिक मानकों के हिसाब से बेहद पुराना माना जाता है. सीमित कंप्यूटिंग क्षमता और लगातार घटती ऊर्जा के बावजूद नासा के इंजीनियर समय-समय पर सॉफ्टवेयर में बदलाव और तकनीकी उपायों के जरिए इसे सक्रिय बनाए हुए हैं. वॉयेजर-1 केवल एक अंतरिक्ष यान नहीं, बल्कि मानव जिज्ञासा, वैज्ञानिक नवाचार और खोज की अटूट भावना का प्रतीक बन चुका है. लगभग आधी सदी से जारी इसकी यात्रा यह साबित करती है कि सही योजना, मजबूत इंजीनियरिंग और वैज्ञानिक दृष्टि के साथ बनाया गया मिशन समय की सीमाओं को भी पीछे छोड़ सकता है.

बरमूडा के नीचे मिली रहस्यमयी चट्टान की नाव

दुनिया के सबसे चर्चित रहस्यमयी क्षेत्रों में शामिल बरमूडा ट्रायंगल को लेकर वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण भूगर्भीय खोज की है. शोध के दौरान बरमूडा द्वीप के नीचे समुद्र तल के भीतर लगभग 32 किलोमीटर की गहराई पर एक असामान्य चट्टानी संरचना का पता चला है. वैज्ञानिकों के अनुसार यह कोई सामान्य ज्वालामुखीय आधार नहीं, बल्कि अपेक्षाकृत हल्की और विशाल चट्टानों से बनी ऐसी संरचना है, जो आकार में 'चट्टान की नाव' जैसी दिखाई देती है.

यह चट्टानी परत लगभग 12 मील मोटी है. इसकी घनत्व आसपास की चट्टानों की तुलना में कम होने के कारण यह समुद्र के भीतर एक तैरते आधार की तरह काम करती है और बरमूडा द्वीप को स्थिर बनाए रखने में मदद करती है. इसी वजह से यह द्वीप लाखों वर्षों से समुद्र में डूबने के बजाय अपनी स्थिति बनाए हुए है. इस खोज से बरमूडा द्वीप की उत्पत्ति, उसके निर्माण और भूगर्भीय विकास की प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझा जा सकेगा. लंबे समय से यह सवाल बना हुआ था कि समुद्र के बीच स्थित यह द्वीप सामान्य महासागरीय ज्वालामुखीय द्वीपों से अलग क्यों है. नई चट्टानी संरचना की पहचान इस पहेली का महत्वपूर्ण उत्तर मानी जा रही है. विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है कि इस खोज का बरमूडा ट्रायंगल से जुड़ी लोकप्रिय रहस्यमयी कहानियों—जैसे जहाजों और विमानों के कथित रूप से गायब होने—से कोई प्रत्यक्ष संबंध सिद्ध नहीं हुआ है.

गेमिंग और एंटरटेनमेंट के लिए आया आईक्यूओओ पैड

आईक्यूओओ ने चीन में अपना नया प्रीमियम टैबलेट आईक्यूओओ पैड 5सी लॉन्च कर दिया है. यह डिवाइस आईक्यूओओ पैड 5 सीरीज़ का नया सदस्य है और इसे उच्च प्रदर्शन, गेमिंग, ऑनलाइन पढ़ाई, कार्यालयी काम और मनोरंजन जैसी जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है. आधुनिक हार्डवेयर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सुविधाओं के साथ कंपनी इसे प्रीमियम टैबलेट श्रेणी में एक मजबूत विकल्प के रूप में पेश कर रही है.

आईक्यूओओ पैड 5सी में 12.1 इंच की एलसीडी स्क्रीन दी गई है, जो 2.8के रिजॉल्यूशन और 144 हर्ट्ज़ रिफ्रेश रेट के साथ आती है. उच्च रिफ्रेश रेट के कारण गेम खेलना, वीडियो देखना और स्क्रीन पर स्क्रॉल करना बेहद सहज और स्मूद अनुभव देता है. बड़ी स्क्रीन की मदद से एक साथ कई काम करना, दस्तावेज़ तैयार करना, पढ़ाई करना और मनोरंजन का आनंद लेना भी अधिक सुविधाजनक हो जाता है. बेहतर प्रदर्शन के लिए टैबलेट में क्वालकॉम का स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 प्रोसेसर लगाया गया है, जिसे तेज गति और ऊर्जा की बेहतर बचत के लिए जाना जाता है. यह प्रोसेसर भारी गेम, वीडियो संपादन और एक साथ कई अनुप्रयोग चलाने जैसे कार्य आसानी से संभाल सकता है. इसके साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कई उपयोगी सुविधाएं भी दी गई हैं, जो रोजमर्रा के काम को अधिक आसान, तेज और स्मार्ट बनाने में मदद करेंगी.

टैबलेट की मोटाई केवल 6.62 मिलीमीटर है, जबकि इसका वजन 584 ग्राम रखा गया है. बड़ी स्क्रीन होने के बावजूद यह काफी पतला और हल्का है, जिससे इसे लंबे समय तक हाथ में पकड़कर इस्तेमाल करना आसान रहता है. फिलहाल आईक्यूओओ पैड 5सी को चीन में लॉन्च किया गया है. अन्य देशों में इसकी उपलब्धता को लेकर कंपनी ने अभी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है.